Literacy for a Billion

Movie: Padosan
Year: 1968

Song: Sharm aati hai magar
Lyricist: Rajendra Krishan

शर्म आती है मगर
आज ये कहना होगा
शर्म आती है मगर
आज ये कहना होगा
अब हमें आपके
क़दमों ही में
रहना होगा
शर्म आती है मगर

देर के बाद ये समझे हैं
मोहब्बत क्या है
अब हमें चाँद के
झूमर की ज़ुरूरत क्या है
प्यार से बढ़के
भला कौनसा गहना होगा

अब हमें आपके
क़दमों ही में रहना होगा

शर्म आती है मगर

आज ये कहना होगा

आपके प्यार का बीमार
हमारा दिल है
आपके प्यार का बीमार
हमारा दिल है

आपके ग़म का ख़रीदार
हमारा दिल है
आपको अपना कोई
दर्द ना सहना होगा

अब हमें आपके
क़दमों ही में
रहना होगा

शर्म आती है मगर
आज ये कहना होगा
शर्म आती है

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.